राष्ट्रीय सेवा भारती

www.rashtriyasewabharati.org | वर्ष 2023, शुक्ल पक्ष (भाद्रपद) विक्रम संवत - 2080, सितम्बर | ई बुलेटिन : मासिक पत्रिका

स्वतंत्रता दिवस का संकल्प

भारत जागेगा तो सब कुछ कर सकेगा। और भारत की नियत ऐसी है कि वो जो कुछ करेगा, उससे दुनिया का कल्याण होगा। भारत महाशक्ति बनेगा वो दूसरों पर डंडा नहीं चलाएगा। भारत महाशक्ति बनेगा, सबको अपने रंग में नहीं रंगेगा। हर एक की विशेषता की सुरक्षा करेगा, उसको और समृद्ध करेगा। इस भारत को हम जानें, हम भारत बनें और इस भारत के लिए अपना सर्वस्व देने की तैयारी रखकर हम एक साधन के रुप में अपने जीवन को चलाएं। यह संदेश देने वाला अपना स्वात्रंत्य दिवस है। इस स्वातंत्र्य दिवस के संबंध में अलग-अलग क्षेत्रों में और अलग-अलग तरह से काम करने वाले सभी लोगों के जीवन का यही संदेश है। उस संदेश का, उस संकल्प का हम स्मरण करें और अभी इसी क्षण से देने की अपनी क्षमता को बढ़ाकर देना प्रारभ करें। - (15 अगस्त, 2019 स्वतंत्रता दिवस समारोह)

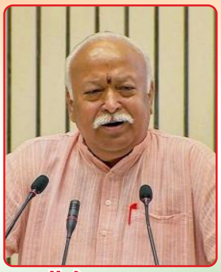

- डॉ मोहनराव भागवत
परम पूजनीय सरसंघचालक
राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ

देशभर में बड़े हर्षोल्लास से मनाया गया - स्वतंत्रता दिवस

कुछ झलकियाँ

16184	शिक्षा
10513	स्वास्थ्य
9543	सामाजिक
6805	स्वावलम्बन

सेवा कार्यवृत्त

“ नर सेवा नारायण सेवा का मूल ध्येय लेकर समाज में वंचित, अभावग्रस्त, उपेक्षित एवं पीड़ित लोगों के सर्वांगीण विकास हेतु राष्ट्रीय सेवा भारती सतत कार्यरत है। यह नगरीय -झुग्गी झोपड़ी एवं पुनर्वास बस्तियों में समाज कल्याण कार्यक्रम जैसे नि:शुल्क चिकित्सा, नि:शुल्क शिक्षा, कौशल विकास प्रशिक्षण केंद्रों के माध्यम से भी कार्यरत है। देशभर के 903 जिलों में राष्ट्रीय सेवा भारती द्वारा 43045 सेवा कार्य चलाए जा रहे हैं। ”

दो दिवसीय आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण वर्ग , भुवनेश्वर में आयोजित किया गया

प्रशिक्षण वर्ग

राष्ट्रीय सेवा भारती, नई दिल्ली के तत्वावधान में आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण शिविर स्थानीय मंचेश्वर स्थित उत्कल विपन्न सहायता समिति (यू.बी.एस.एस.)परिसर में आयोजित किया गया। 26 एवं 27 अगस्त को आयोजित इस दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर में ओडिशा ,पश्चिम बंगाल ,असम, बिहार ,झारखंड और छत्तीसगढ़ आदि छह राज्यों के तेरह प्रांत के सेवा भारती कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया। प्राकृतिक आपदा सहित विभिन्न आकस्मिक आपदाओं के समय प्रभावितों के जानमाल की रक्षा के साथ उनका उपचार व सेवा किस तरह की जाए इसका प्रशिक्षण अग्निशमन विभाग ओड़िशा ,एनडीआरफ एवं रेडक्रास द्वारा शिविर में आए स्वयंसेवकों को दिया गया।

सेवा भारती के राष्ट्रीय संगठन मंत्री सुधीर जी ने शिविर में अपना उद्बोधन रखते हुए कहा कि वर्तमान स्थिति को देखते हुए स्वयंसेवकों के कौशल का विकास आवश्यक हो गया है आधुनिक ज्ञान कौशल के आधार पर आपका प्रभावितों के जानमाल कीसुरक्षा को समय रहते कैसे किया जाए इस पर ध्यान देना होगा। एनडीआरएफ के डिप्टी कमांडेंट धनंजय जी ने कहा कि, आपदा से पहले और आपदा के समय और आपदा के बाद पीडित लोगों को आधुनिक ज्ञान कौशल के आधार पर सहायता पहुंचाकर कैसे हम आपदा प्रभावितों की मदद कर सकते हैं। भारतीय रेड क्रॉस के उपाध्यक्ष अनंत पंडारे जी ने रेड क्रॉस सोसाइटी द्वारा चल रहे विभिन्न सहायता कार्यक्रमों की जानकारी दी। राष्ट्रीय सेवा भारती के प्रांतीय प्रमुख जगदीश खड़ंगा जी ने सेवा भारती के महत्वपूर्ण भूमिका तथा विस्तृत कार्यक्रमों की संक्षेप मे जानकारी दी।

प्रशिक्षण शिविर की अध्यक्षता उत्कल विपन्न सहायता समिति (यू.बी.एस.एस.) के अध्यक्ष अक्षय कुमार बिट ने की। इसमें भारतीय रेड क्रॉस के उपाध्यक्ष अनंत पंडारे जी मुख्य अतिथि, धनंजय कुमार जी सम्मानित अतिथि ,सुधीर कुमार जी मुख्य वक्ता के तौर पर आमंत्रित थे।

सेवा भारती को दत्तक ग्रहण के अंतर्गत विशिष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया गया

वत्सल भारत कार्यक्रम के अंतर्गत भारत सरकार द्वारा विगत 9 वर्षों में बाल संरक्षण,बाल सुरक्षा व बाल कल्याण के क्षेत्र में किए गए कार्यों - नए बनाए गए क़ानून,नई नीतियाँ,नई योजनाओं के विषय में जानकारी साझा करने के उद्देश्य से देश भर के सामाजिक संस्थाओं व स्व सहायता समूहों के साथ एक

संगोष्ठी का आयोजन 18 अगस्त 2023 को बनारस हिंदू विश्वविद्यालय में किया गया।

इस अवसर पर सेवा भारती को दत्तक ग्रहण के अंतर्गत विशिष्ट कार्य करने हेतु सम्मानित किया गया। राष्ट्रीय सेवा भारती के कोषाध्यक्ष श्री अनिल माहेश्वरी जी द्वारा यह सम्मान ग्रहण किया गया।

सुलभ इंटरनेशनल के संस्थापक श्री बिंदेश्वर पाठक जी के निधन पर शोक सन्देश :

श्रद्धाञ्जली

देश में स्वच्छता के उद्देश्य के लिए अपना जीवन समर्पित करने वाले श्री बिंदेश्वर पाठक नहीं रहे। 1968 में उन्होंने डिस्पोजल कंपोस्ट शौचालय का आविष्कार किया था। सिर पर मैला ढोने की प्रथा की समाप्ति में निर्णायक भूमिका निभाई थी। 1970 में उन्होंने अपनी सेवा संस्था 'सुलभ इंटरनेशनल' की स्थापना की। तब से पिछले पांच दशकों में इस संस्थान ने करोड़ों लोगों को सहज और स्वच्छ शौचालय उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। श्री पाठक के अनथक प्रयासों से आज देश में उनकी संस्था द्वारा निर्मित 8500 सुलभ शौचालय और स्नानघर हैं। सेवा कार्यों के लिए पद्म सम्मान से सम्मानित श्री बिंदेश्वर पाठक जी को प्रभु अपने श्रीचरणों में स्थान दें और उनकी आत्मा को शांति प्रदान करें, हम ऐसी प्रार्थना करते हैं।

- दत्तात्रेय होसबाले, सरकार्यवाह,राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ

श्री बिंदेश्वर पाठक जी

तमिलनाडु प्रान्त

तीर्थ यात्रियों की निजी बोगी में लगी आग राहत कार्यों में स्वयंसेवकों ने की मदद

पुनालुर-मदुरै एक्सप्रेस में दिनांक 26 अगस्त 2023, सुबह 5:15 बजे मदुरै यार्ड में निजी कोच में आग लगने की सूचना मिलते ही आरएसएस के स्वयंसेवक सबसे पहले रेलवे जंक्शन पर पहुंचे और आग बुझाने में आवश्यक सहायता प्रदान की। तीर्थ यात्रियों की विशेष बोगी थी, जो अलग अलग ट्रेन में लगकर रामेश्वरम जा रही थी, मधुरई स्टेशन के समीप हाल्ट था, गैस जलाते समय हादसा हुआ।

सेवा भारती, दृष्टि छात्रावास की छात्राओं ने रक्षाबंधन पर सुचेतगढ़ बॉर्डर का दौरा किया

जम्मू प्रान्त

जम्मू, 30 अगस्त: दृष्टि छात्रावास गर्ल्स हॉस्टल जवानों के साथ रक्षा बंधन मनाने के लिए सुचेतगढ़ सीमा पर पहुंची। यह यात्रा भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा किए गए बलिदानों का सम्मान करने की छात्रावास की वार्षिक परंपरा का हिस्सा थी और श्री की मदद से आयोजित की गई थी। लड़कियों ने बीएसएफ के जवानों से मुलाकात की और जवानों को राखी बांधी.छात्रावास की लड़कियों द्वारा एक सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किया गया जिसे काफी सराहा गया।सेवा भारती के 10 कार्यकर्ताओं के साथ 40 लड़कियों के एक समूह ने सीमा चौकी का दौरा किया। लड़कियों ने सैनिकों से बातचीत की और उन्हें उपहार दिये। उन्होंने देशभक्ति गीत भी गाए.यह दौरा लड़कियों के लिए आंखें खोल देने वाला अनुभव था। उन्होंने सैनिकों के सामने आने वाली चुनौतियों और देश के लिए उनके बलिदान के बारे में जाना। लड़कियाँ सैनिकों के साहस और दृढ़ संकल्प से प्रेरित हुईं।

श्री जयदेव जी (दादा) अखिल भारतीय कार्यकारिणी सदास्य राष्ट्रीय सेवा भारती एवं श्री. इस अवसर पर मधुमय नाथ (अखिल भारतीये सह संयोजिका क्रीड़ा भारती) भी छात्रों और सेवा भारती कार्यकर्ताओं के साथ उपस्थित थे। जयदेव जी ने कहा कि यह यात्रा लड़कियों के लिए सैनिकों के प्रति अपना आभार व्यक्त करने का एक अवसर है और लड़कियों को भारतीय सेना में शामिल होने के लिए प्रेरित किया जाएगा और उनमें देशभक्ति की भावना विकसित होगी।

धन्वन्तरी सम्मलेन 2023 (डॉक्टर्स कांफ्रेंस) का आयोजन किया गया

महाराष्ट्र प्रान्त

रा. स्व. संघ (RSS) जनकल्याण समिती संचालित बस्ती परिवर्तन योजना - मुंबई महानगर द्वारा यशवंत भवन, परेल, मुंबई में धन्वन्तरि सम्मेलन (Doctors Conference) का आयोजन किया गया था। यह सम्मेलन रविवार, दिनांक 06 अगस्त 2023, सुबह 10:00 से 12:30 के बीच में संपन्न हुआ। जिसमें 47 डॉक्टर उपस्थित थे।

बस्ती परिवर्तन योजना द्वारा मुंबई की 55 झोपड़पट्टी और SRA बस्तियों में आरोग्य, शिक्षण, संस्कार, स्वावलंबन इन आयामों के अंतर्गत माता बाल आरोग्य आहार प्रकल्प, बाल संस्कार केंद्र, किशोरी विकास प्रकल्प, रुग्ण साहित्य, घूमता वाचनालय ऐसे अनेको सेवाकार्य चलते है। यह भी बताया गया की, इसमें 0 से 15 वर्ष आयु के बालक बालिकाएँ, 30 वर्ष आयुतक की माताएं तथा गर्भवती महिलाओं को सेवा प्रदान की जाती है। प्रतिदिन २ बस्तियों में ऐसे महीने में एक बार सभी बस्तियों में चल चिकित्सालय के माध्यम से इन सभी की आरोग्य चिकित्सा कर उन्हें आवश्यकतानुसार दवाई तथा मार्गदर्शन किया जाता है। इन बस्तियों में समय-समय पर विशेष आरोग्य जाँच तथा मार्गदर्शन शिवरों का भी आयोजन किया जाता है।

महाराष्ट्र प्रान्त

शालेय विद्यार्थी सहायता उपक्रम अंतर्गत नि:शुल्क नोटबुक वितरण कार्यक्रम 2023

रा. स्व. संघ जनकल्याण समिती द्वारा मुंबई के 43 सेवा बस्तीयों में विगत दो वर्ष से बस्ती परिवर्तन योजना अंतर्गत माता बाल आरोग्य आहार प्रकल्प, आंगनवाड़ी दत्तक योजना, बाल संस्कार केंद्र, किशोरी विकास प्रकल्प, झोला (चल) वाचनालय, तथा रुग्णोपयोगी साहित्य जैसे सेवा प्रकल्प चल रहे है। इस वर्ष इन बस्तियों में गरजू विद्यार्थी सहायता हेतु **दिनांक 30जुलाई तथा 06 अगस्त 2023 को 43 बस्तियों में, 1075 विद्यार्थियों को 6450 नोटबुक्स का निःशुल्क वितरण** किया गया।

पंजाब प्रान्त

कुष्ठ आश्रम में नि:शुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया

गुरुवार, 24 अगस्त 2023 राष्ट्रीय सेवा भारती के सहयोग से संचालित समर्पण चल चिकित्साल्य सेवा के माध्यम से आज चंडीगढ़ स्थित चंडी कुष्ठ आश्रम में निःशुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया। चिकित्सा शिविर में सभी लोगों की स्वास्थ्य जांच जैसे रक्तचाप, मधुमेह एवं आधुनिक तकनीक द्वारा विभिन्न प्रकार की रक्त जांचें की गईं। इसके अतिरिक्त कुष्ठ रोगियों के घावों की मरहम-पट्टी एवं शल्य चिकित्सा के साथ-साथ अनुभवी चिकित्सकों द्वारा परामर्श एवं आवश्यकतानुसार दवाएं-इंजेक्शन भी निःशुल्क वितरित किए गए।

स्वावलंबन आयाम के अंतर्गत वैभवश्री प्रशिक्षण वर्ग आयोजित किया गया

छत्तीसगढ़ प्रान्त

सेवा भारती, बिलासपुर के द्वारा वैभव श्री कार्यक्रम के अन्तर्गत दिनांक 25 अगस्त 2023 को प्रशिक्षण वर्ग आयोजित किया गया जिसमें स्वावलम्बन आयाम के तहत बिलासपुर की 26 सेवा बस्तियों की बहिनों को सिलाई, साबुन, फेसवाश, हैंडवाश CFL बल्ब, बिजली की झालर, फिनाइल, एसिड आदि बनाना सिखाया गया। उक्त कार्यक्रम में 250 बहनो ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

मालवा प्रान्त

श्रमदान करके बनाया किचन गार्डन

सेवा भारती बालिका छात्रावास आलीराजपुर, यदि प्रकृति के साथ निकटता बढ़ाई जाए और अपने स्वयं के भोजन का पोषण और फसल के रूप में उपलब्धि मिलने लगे, ऐसी भावना को विकसित करने का प्रयास किया। छात्रावास की बालिकाओं ने। जिन्होंने श्रमदान के अंतर्गत किचन गार्डन बनाया। वर्तमान में इसमें मिर्ची, बैंगन, टमाटर व गिलकी लगाई गई है। बालिकाओं को सब्जियों की देखभाल करने के लिए भी प्रेरित किया गया।

हरियाली तीज पर मेहंदी कार्यक्रम आयोजन

मेरठ प्रान्त

सेवा भारती वैशाली महानगर, मेरठ प्रान्त द्वारा 18 अगस्त 23 को हरियाली तीज के उपलक्ष पर मेंहदी का कार्यक्रम संपन्न हुआ। इसमें सेवा भारती की मेंहदी शिक्षिकाओं,बच्चों ने मेंहदी लगाने का कार्य किया।

बालसंस्कार केंद्र का शुभारंभ

पंजाब प्रान्त

सेवा भारती फाजिल्का इकाई द्वारा आनंद मोहल्ले में नया बालसंस्कार केंद्र का शुभारंभ बच्चों के साथ पौधारोपण करके किया। बाल संस्कार केंद्र का शुभारंभ संगठन मंत्री श्री संजीव जी व पंजाब सेवा भारती प्रधान श्रीमती राजरानी पंजरथ द्वारा किया गया।

केरल प्रान्त :-
सेवा भारती ग्राम वैभव योजना के अंतर्गत पोधारोपण कार्यक्रम

उत्तर असम प्रान्त :-
योग निलयम केंद्र में न्यूरोथेरेपी उपचार

उत्तर असम प्रान्त :-
स्वावलंबन आयाम के अंतर्गत साबुन बनाने का प्रशिक्षण

महानगरों से गांवों की ओर लौटने की अनुपम कहानी

डॉ हेडगेवार स्मृति सेवा प्रकल्प, मानगांव, जिला, सिंधुदुर्ग, महाराष्ट्र

वर्ष 1990 में डॉ. हेडगेवार की जन्म जयंती थी, सिंधुदुर्ग जिले के स्वयंसेवकों ने गहन और विस्तृत चर्चा के बाद पाया कि आम, नारियल, काजू, जामुन, करवंदा, आंवला आदि फलों तथा प्राकृतिक संसाधन की पर्याप्त उपलब्धता के बावजूद भी इस क्षेत्र में पर्याप्त आय के साधन उपलब्ध हो नहीं पा रहे थे. जिले के कई क्षेत्रों से लोगों ने , स्कूली छात्रों और बड़े बुजुर्गों के साथ गाँवों को छोड़ दिया था. श्रमिक और शिक्षित वर्ग नौकरियों के लिए महानगरों में पलायन कर गया था। लोग शहर में नोकरी कर, मनीऑर्डर द्वारा घर पैसे भेजते थे, जिससे पीछे राह गए लोग गुजरा कर सकें। उन दिनों कोंकण की अर्थव्यवस्था मनीऑर्डर अर्थव्यवस्था के रूप में जानी जाती थी।

स्थानीय स्तर पर रोजगार और आय के साधन उपलब्ध कराने के लिए स्वयंसेवकों ने योजना बना कर स्थाई समाधान का प्रयास शुरू किया। संसाधनों की उपलब्धता के अधर पर काजू और फलों के प्रसंस्करण का प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए एक प्रशिक्षण केंद्र शुरू करने का निर्णय लिया गया, जिससे प्राकृतिक संसाधनों को संपदा में बदला जा सके। डॉ. हेडगेवार की जयंती के बाद 1991 में डॉ. हेडगेवार के नाम से एक प्रशिक्षण केंद्र शुरू किया गया। स्मृति सेवा प्रकल्प, मानगांव, जिला,सिंधुदुर्ग, महाराष्ट्र में स्थित है। फोरी तोर पर गतिविधि तुरंत शुरू की गई, यानी काजू बीज प्रशिक्षण और फल प्रसंस्करण प्रशिक्षण आरम्भ किया।

पिछले 30 वर्षों से डॉ हेडगेवार स्मृति सेवा प्रकल्प काजू बीज प्रसंस्करण और फल प्रसंस्करण में उनके प्रशिक्षण के लिए ख्यातिनाम है। क्षेत्र में प्रचालनहो गया है कि डॉ. हेडगेवार स्मृति सेवा प्रकल्प से प्रशिक्षण, काजू बीज और फल प्रसंस्करण इकाइयों के लिए अत्यावश्यक है। अभी तक लगभग **8000 लाभार्थियों** को प्रशिक्षित किया गया। प्रशिक्षण हेतु **15 वर्ष के बच्चे से लेकर 75 वर्ष के बड़े व्यक्ति तक**, निरक्षर से लेकर स्नातकोत्तर

तक, भारत के **7 राज्यों** और महाराष्ट्र के लगभग सभी जिलों के के लोग आते हैं। लोगों ने प्रशिक्षणों को व्यापक रूप से स्वीकार किया है। इन प्रशिक्षणों के साथ आज सिंधुदुर्ग जिले में **500 से 700 काजू बीज प्रसंस्करण इकाइयां** और लगभग 250 फल प्रसंस्करण इकाइयां स्थापित हैं। जिनमें से लगभग 85% ने डॉ. हेडगेवार स्मृति सेवा प्रकल्प में अपना प्रशिक्षण प्राप्त किया। आज की स्थिति में यह इकाइयां लगभग 8000 से 10000 व्यक्तियों को रोजगार प्रदान करती हैं और लगभग 80000 से 100000 किसानों की कृषि उपज का उपभोग करती हैं। इन इकाइयों का कुल कारोबार लगभग 700 से 800 करोड़ है। इतने प्रयासों के पश्चात भी फिर भी बड़ी मात्रा में फल बर्बाद हो जाते हैं। और लगभग 60% काजू बीज अन्य राज्यों के साथ-साथ महाराष्ट्र के अन्य जिलों में भेजे जाते हैं ताकि कार्य विस्तार की बहुत बड़ी गुंजाइश हो और इस जिले में स्थानीय स्तर पर पर्याप्त कच्चा माल प्रसंस्करण इकाइयां के लिए उपलब्ध हो।

पिछले कुछ वर्षों में इस सेवा प्रकल्प ने एक नवद्योजकों की जरूरतों को पूरा करने और स्टार्टअप्स की सलाह के लिए स्टार्ट अप्स गाइडेंस बिक्री एवं नवद्योजक सहायता केंद्र शुरू किया। यह केंद्र प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार करने में मार्गदर्शन करता है, बैंकों से धन जुटाने के साथ विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने में मदद करता है। उन्हें उचित लागत पर उचित मशीनरी खरीदने के लिए मार्गदर्शन करता है। तीन, चार वर्ष के लिए जॉब वर्क भी प्रदान करता है ताकि स्टार्टर या फ्रेशर सेटल हो जाए और शुरुआती दिक्कतों को आसानी से दूर किया जा सके। इस केंद्र से पिछले 5 वर्षों में 35 उद्यमियों ने अपनी इकाइयां शुरू की हैं। सिंधुदुर्ग जिले में दूध की भारी कमी को देखते हुए जिले में वर्तमान में दूध की खपत लगभग 1.5 लाख लीटर है। वहीं जिले में प्रतिदिन लगभग 35000 से 50000 लीटर उत्पादन होता है। इसलिए औसत 1 लाख लीटर प्रतिदिन की कमी है जो आसपास के जिलों से आपूर्ति की जाती है। दुग्ध उत्पादन में कमी दुधारू गायों की कमी और पोषण युक्त चारे की कमी के कारण है। पिछले 7 वर्षों से जिले में दूध

की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए डॉ. हेडगेवार स्मृति सेवा प्रकल्प ने बेबी कॉर्न के रोपण, खेती और किसानों से बेबी कॉर्न की खरीद की जानकारी करने में लगा हुआ है।

जिसके परिणाम स्वरूप आज तक करीब 25 गांवों में लगभग 2000 किसान हेडगेवार प्रकल्प के संपर्क में हैं, 13 पूर्व स्वयं सहायता समूहों का गठन किया गया है और दूध गतिविधि को बढ़ावा देने वाले चार गांवों में चार दूध संग्रहण केंद्र शरू किये हैं। कोल्हापुर जिला दुग्ध केंद्र (गोकुल) ने एक किसान स्वयं सहायता समूह को बल्क मिल्क कूलर सेंटर चलाने की पेशकश की है जो प्रतिदिन 15000 लीटर दूध का प्रबंधन कर रहा है।

इस प्रारंभिक गतिविधि के साथ प्रकल्प ने ग्राम विकास के लिए दो तहसीलों से कुल 25 गांवों का चयन किया है। इसमें प्रबन्ध करने वाला सेटअप किसान स्वयं सहायता समूह ही रहेगा। इसमें बुनियादी गतिविधियां जैसेः दुग्ध उत्पादन, दुग्ध संग्रह वर्मीकम्पोस्टिंग, फ्लोरिकल्चर और अन्य कार्यों द्वारा ग्राम विकास के लिए 25 वर्षों की योजना बनाई है। ताकि आने वाले समय में गांवों में किसानों की आय में काफी बदलाव लाया जा सके। इस प्रकार 3000 से 5000 किसान परिवार अपने स्थानीय गांव में स्वावलंबी होंगे। डॉ. हेडगेवार स्मृति सेवा प्रकल्प कृषि और ग्राम विकास विभाग द्वारा अलग-अलग प्रशिक्षण और जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है।

सूक्ष्म खाद्य उद्यमियों और किसानों की खरीद और विपणन आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए सिंधुदुर्ग जिला उद्योगिक उद्पादक सहकारी समिति पंजीकृत कराइ गई है। फल प्रोसेसर के लिए उन्नत प्रौद्योगिकी और मशीनरी की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए हेडगेवार प्रकल्प ने भारत सरकार की एमएसई सीडीपी योजना के तहत 20 करोड़ के बजट वाले एक सामान्य सुविधा केंद्र का प्रस्ताव दिया है। कोकन सिंधु मल्टी फ्रूट क्लस्टर फाउंडेशन कंपनी अधिनियम में पंजीकृत है और कॉमन फैसिलिटी सेंटर को किराये के आधार पर कोल्ड स्टोरेज, ड्रायर और स्वचालित मशीनरी जैसी सुविधाएं प्रदान करने के लिए बनाया गया है। जो विभिन्न फलों द्वारा निर्मित उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा देगा, नए उत्पादों का विकास करेगा और अंततः खाद्य प्रसंस्करण कार्य में और समृद्धि लाएगा।

पिछले कुछ वर्षों से डॉ. हेडगेवार स्मृति सेवा प्रकल्प और इंस्टीट्यूट ऑफ केमिकल टेक्नोलॉजी (यू.डी.सी.टी.) मुंबई, संयुक्त रूप से कृषि अपशिष्ट से औषधीय उपयोगिताओं, खाद्य रंगों के निर्माण और इत्र वाले मूल्यवान रसायनों के उत्पादन के लिए विभिन्न शोध परियोजनाएं चला रहे हैं। दो पायलट संयंत्रों के तहत गतिविधियां शुरू हुई हैं और हमें पूरा विश्वास है कि जैव रासायनिक निष्कर्षण के तहत बहुत जल्द एक नया रास्ता उपलब्ध होगा और इस शोध से कृषि अपशिष्ट को लाभकारी बनाया जाएगा। डॉ हेडगेवार स्मृति सेवा प्रकल्प की छत्रछाया में ये सभी गतिविधियाँ संचालित हो रही हैं। ये सभी गतिविधियां 35 कार्यकर्ताओं के समर्पण से संचालित की जाती हैं।

30 वर्षों की लंबी यात्रा के साथ, मनीऑर्डर अर्थव्यवस्था से स्वावलम्बी और निर्यात करने वाली अर्थव्यवस्था में परिवर्तन स्पष्ट दिखाई दे रहा है। कई युवा नई उत्पादन इकाइयां शुरू कर रहे हैं, अब प्रवाह उल्टा हो गया है लोग महानगरों से गांवों की तरफ लौट रहे हैं।

संपर्क सूत्र
श्री सुनील उकिडवे
8805967319

सुपोषण जागरूकता अभियान - 01 से 30 सितम्बर 2023

सुपोषित भारत

राष्ट्रीय सेवा भारती का उपक्रम

सुपोषण जागरूकता अभियान पोस्टर लोकार्पण

राष्ट्रीय सेवा भारती के उपक्रम सुपोषित भारत के अंतर्गत राष्ट्रीय पोषण माह-सितंबर में **सुपोषण जागरूकता अभियान - 01 से 30 सितम्बर 2023** के पोस्टर का लोकार्पण मा. सुरेश (भय्या) जी जोशी, अ. भा. कार्यकारिणी सदस्य-राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा किया गया।

"सर्वे भवन्तु सुखिनः, सर्वे सन्तु निरामयाः"

सेवा भारती,आजमगढ़ में कोटवा सेवाबस्ती की बहनों द्वारा दीपावली की तैयारी

कार्यालय पता:
राष्ट्रीय सेवा भारती
BD-37, गली न.14, फैज़ रोड,
करोल बाग, नई दिल्ली -110005

वेबसाइट :www.rashtriyasewabharati.org
ईमेल : rashtriyasewa@gmail.com
फोन न. : 011-46523618,
मोबाइल न. 09868245005